Chapter-6: अंतर्राष्ट्रीय संगठन

- संसार को युद्दो के विनाश से बचाने तथा विकास के लिए अन्तर्राष्ट्रीय संगठनो की आवश्यकता महसूस की गई थी
- प्रथम विश्वा युद्द के पश्चात लीग ऑफ नेशस की स्थपना की गई परन्तु यह दूसरे विश्व योद्द को (1939-45) रोक पाने में असफल रहा
- उतराधिकारी के रूप में 1945 में संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई 51 देशों ने इसके घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किये
- 2006 तक इसकी सदस्य संख्या 192 थी
- इसका सबसे सार्वजनिक चेहरा, उसका प्रधान प्रतिनिधि महासचिव होता है वर्तमान महासचिव का नाम बान की मून है जो दक्षिण कोरिया के है
- संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख अंग है :-

1. आम
   सभा

2. सुरक्षा
   परिषद्

3. सचिवालय

4. आर्थिक व सामाजिक
   परिषद्
5. अन्तर्राष्ट्रीय
   न्यायालय
6. न्यासिता परिषद्- इन सभी के सहायक

- सयुंक्त राष्ट्र संघ की प्रमुख एजेंसियाँ
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)
- संयुक्त राष्ट्र संघ शैक्षिक, सामाजिक एवं सांस्क्रतिक संगठन (UNESCO)
- संयुक्त राष्ट्र संघ बालकोष (UNICEF)

evidyarthi

- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDEP)
- संयुक्त राष्ट्रसंघ मानवाधिकार आयोग (UNHRC)
- संयुक्त राष्ट्र संघ शरणार्थी उच्चयोग (UNHCR)
- संयुक्त राष्ट्रसंघ व्यापार एवं विकास सम्मेलन (UNCTAD)
- संयुक्त राष्ट्रसंघ ने 1948 से लेकर अब तक अनेकों शांति स्थापना अभियानों में सफलता प्राप्त की
- इसकी अनेक अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाऐ भी है जो अपने उद्देश्यों को पूरा करने में लगी है |इस प्रकार है

1. विश्व बैक - मानव विकास, ग्रामीणों विकास, पर्यावरण सुरक्षा आदि
2. अन्तर्राष्ट्रीय आनिव्क उर्जा एजेंसी - परमाणु प्रोधोगिकी का शंतिपूर्ण उपयोग
3. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष - वैशिवक वित व्यवस्था की देखरेख
4. एमनेस्टी इंटरनेशनल - मानवाधिकारों की रक्षा
5. रेडक्रास सोसायटी - गर्ण्णपीस आदि

- 1965 में सुरक्षा परिषद् के अस्थाई सदस्यों की संख्या 11 से बढ़ा कर 15 कर दी गई
- अन्तर्राष्ट्रीय पहल पर राष्ट्रसंघ में सुधारों व बदलावों की मांग उठती रही है
- ब्राजील,जर्मनी,जापान तथा भारत भी सुरक्षा परिषद् के स्थायी सदस्य बनने की होड़ में शामिल है
- एक धुर्वीय विश्व में यूएन को प्रासंगिक बनाये रखने की विभिन्न प्रयास किए गए जैसे :-
- शांति संस्थापक आयोग का गठन
- सहस्राब्दि विकास लक्ष्य
- एक लोकतंत्र कोष का गठन आदि